भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +10

सोमवार, **3** फरवरी, 2020/**14** माघ, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक में 'प्रसाद' योजना का कार्यान्वयन

+10. श्री बी॰ वाई॰ राघवेन्द्रः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या शिमोगा जिले के प्राचीन इतिहास को देखते हुए वहां 'प्रसाद' योजना को कार्यान्वित करने का सरकार का कोई विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो मारिकाम्बा मंदिर और अन्य ऐतिहासिक मंदिरों पर इस हेतु कब तक विचार किया जाएगा;

(घ) क्या सरकार का कर्नाटक राज्य के किसी भाग में 'प्रसाद' योजना कार्यान्वित करने का कोई विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री **(**स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ड.) : तीर्थ स्थानों/पर्यटक केंद्रों का विकास संबंधित राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्रों की जिम्मेदारी है। पर्यटन मंत्रालय ''तीर्थ स्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)'' नामक योजना के तहत राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्रों से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत होने पर तीर्थ स्थानों के अवसंरचना विकास और सौंदर्यीकरण के लिए निधियों की उपलब्धता, पूर्व में जारी निधियों के लिए लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्रों की प्रस्तुति और संगत योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन की शर्त पर केंद्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

कर्नाटक की राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना के अंतर्गत तीर्थस्थान अवसंरचना विकास के लिए चामुंडेश्वरी देवी मंदिर, जिला मैसूरू को अभिज्ञात किया। इस परियोजना के लिए अवधारणा प्रस्तुति दिनांक **18** सितंबर, **2019** को दी गई थी। तथापि, पर्यटन मंत्रालय की टीम द्वारा विकास संबंधी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए किए गए स्थल निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि राज्य सरकार द्वारा चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में लगभग सभी अपेक्षित सुविधाओं को शामिल करते हुए अवसंरचना सुविधाओं के सृजन संबंधी एक बड़ी परियोजना कार्यान्वित की जा रही है, अतः वर्तमान में कर्नाटक की राज्य सरकार का कोई भी प्रस्ताव पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत विचाराधीन नहीं है।

****